

बिहार विधान-सभा वाद्वृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

बृहस्पतिवार, तिथि 23 जून, 1983 ।

विषय-सूची

पृष्ठ

प्रश्नों के लिखित उत्तर :—

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :—

अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या :— 11, 12 ... 1—8

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :— 355, 356, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 436 । 9—25

परिशिष्ट 1 एवं 2 (प्रश्नों के लिखित उत्तर) :— ... 26—147

दैनिक निबंध ... 148—149

टिप्पणी :—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भ.षण संशोधन नहीं किया है ।

छात्रावास का निर्माण ।

थ-4. श्री रत्नाकर नायक—क्या मंत्री, कल्याण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सिंहभूम जिले के गोईलकेरा में एक आदिवासी छात्रावास भवन निर्माण हेतु कल्याण विभाग से 2 वर्ष पहले 3 लाख रुपये आवंटित किया गया है, परन्तु निर्माण कार्य अब तक प्रारम्भ नहीं किया गया है, यदि हाँ तो सरकार उक्त छात्रावास का निर्माण कार्य कब तक प्रारम्भ करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, कल्याण विभाग—यह बात सही है कि सिंहभूम जिले के गोईलकेरा में आदिवासी बालक छात्रावास भवन निर्माण हेतु कल्याण विभाग के पत्रांक 11183, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979 द्वारा 2,96,694 रुपये का आवंटन दिया गया है। छात्रावास भवन निर्माण के लिये कल्याण विभाग के पत्रांक 10509, दिनांक 16 नवम्बर, 1979 द्वारा दिये गये पुनराश्रित प्रग सकीय स्वीकृति में यह अनुदेश दिया गया था कि भवन का निर्माण वन विभाग के माध्यम से ग्राम्य अभियंत्रण संगठन द्वारा बनाये गये योजना एवं प्राक्कलन के अनुसार किया जायेगा। वन विभाग के माध्यम से छात्रावास भवन निर्माण नहीं किये जाने के उपरान्त उक्त छात्रावास भवन का निर्माण कार्य अविलम्ब प्रारम्भ कराने के लिये कार्यपालक अभियन्ता, ग्राम्य अभियंत्रण संगठन, चाईबासा की स्थानीय पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया है।

आवास खाली कराने के सम्बन्ध में ।

द-19. श्री रमई राम—क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं कल्याण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अधीक्षक, दरमंगा मेडिकल कालेज अस्पताल ने अपने पत्रांक 846, दिनांक 6 फरवरी, 1982 द्वारा श्री चतुर्भुज सिंह, पथ लिपिक को आवास आवंटित किया गया है, जो श्री भगवान सिंह तत्कालीन लिपिक के नाम आवंटित था;

(2) क्या यह बात सही है कि श्री चतुर्भुज सिंह, पथ लिपिक को आवंटित आवास का प्रभार अभी तक नहीं सौंपा है;

(3) यदि उपर्युक्त सण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार श्री भगवान सिंह, पथ लिपिक ने उक्त आदेश के अनुसार आवास कब तक खाली कराने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?